(c) what is the approximate annual financial outlay for such risk-sharing; and

(d) whether there is any limit set for risk sharing in financial terms?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI B. SHANKARANAND): (a) to (d) The terms of the Fourth Round of bidding provide Government or its nominee with the option of taking a participating interest of 10 per cent in the venture from the date of signing the contract with the provision to take an addiional 30 per cent working interest at the time of development of a hydrocarbon discovery. The last date for submission of bids in 15th April, 1992.

Natural gas division

1086. SHRI RAMDAS AGARWAL: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) whether Government have decided to set up a New Natural Gas Division;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether there is any proposal to formulate a "new gas use policy" after the creation of this New Division;

(d) if so, the salient features of the policy; and

(e) the loss suffered by the country due to flaring wastage of Natural Gas during the last three years?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI B. SHANKARANAND): (a) No, Sir.

(b) to (d) Do not arise.

(e) At the selling price of Rs. 500 per thousand cu. mts. in the North East and Rs. 1400 per thousand cu. mts. in the rest of the country, Rs. 530 crores, Rs. 808 crores and Rs. 723 crores in the years 1988-89, 1989-90 and 1990-91 respectively.

पेट्रोलियम पदार्थों का आयात

1087. **श्री राम जेठमलानी :**
श्री रणजीत सिंह :

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 13 फरवरी, 1992 के "इकोनामिक टाइम्स" में "रूपीज 3,000 करोर मोर फारेन एक्सचेंज साट फार क्रूड पेट्रो–गुड्स इम्पोर्ट" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) क्या यह सच है कि इराक ने भारत की अनेक कम्पनियों को देय धन-राशि का कच्चे-तेल की आपूर्ति के द्वारा भुगतान करने का निर्णय किया है ;

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार ने इस संबंध में संयुक्त स्थापित किया है ;

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ; और

(ङ) इराक की ओर कुल कितनी धनराशि बकाया है जिसका कि वह कच्चे तेल की आपूर्ति के रूप में भुगतान करने हेतु तैयार है ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री बी. शंकरानन्द) : (क) जी, हां।

(ख) से (ङ) इराक सरकार ने समय-समय पर भारतीय कम्पनियों को देय धन-राशि को वसूल करने के लिए तेल की सप्लाई करने की अपनी इच्छा व्यक्त की है, बशर्ते इस उद्देश्य के लिए इराक द्वारा तेल निर्यात की अनुमति संयुक्त राष्ट्र संघ सुरक्षा परिषद् की मंजूरी समिति से इस आशय की स्वीकृति प्राप्त होगी । भारत के स्थाई मिसन के माध्यम से इस आशय की स्वीकृति की मंजूरी समिति के समक्ष मामला रखा गया था तथा उस समिति ने प्रस्तावित करार पर अपनी मंजूरी नहीं दी ।